राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

16 अगस्त, 2021 को **राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्का**र के लिये **पारंपरिक बाग प्रिंट हस्तशिल्प कला** में **ठप्पा छपाई** को नये आयाम देने वाले मध्य प्रदेश के धार ज़िले के छोटे से कस्बे बाग से एकमात्र युवा शिल्पी **बिलाल खत्री** का चयन हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रालय के हस्तशिल्प आयुक्त द्वारा गठित राष्ट्रीय चयन समिति ने राष्ट्रीय पुरस्कार, 2018 के लिये राज्य के युवा शिल्पकार बिलाल खत्री का चयन **हैंड ब्लॉक प्रिंट बाँस चटाई** के लिये किया है।
- उल्लेखनीय है कि युवा शिल्पकार बिलाल खत्री को वर्ष 2011 में राष्ट्रीय मेरिट हस्तशिल्प पुरस्कार एवं वर्ष 2018 में प्रथम विश्वकर्मा पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।
- शिल्पकार बिलाल खत्री ने राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये बाग प्रिंट ठप्पा छपाई में बाँस की चटाई प्रस्तुत की थी। इससे प्राकृतिक रंगों के समावेश के साथ-साथ ऐतिहासिक धरोहर ताजमहल और लाल किले के नमूने का प्रयोग किया गया था।
- शिल्पकार बिलाल खत्री विश्व के कई देशों में अपनी पुश्तैनी बाग प्रिंट ठप्पा छपाई का प्रदर्शन भी कर चुके हैं।
- **हस्तशिल्प पुरस्कार नामश:** शिल्प गुरु पुरस्कार, राष्ट्रीय पुरस्कार और राष्ट्रीय श्रेष्ठता प्रमाण-पत्र देश में हस्तशिल्प कारीगरों के लिये सर्वोच्च पुरस्कारों में से एक है। इसका उद्देश्य उत्कृष्ट कारीगरों को शिल्पकारिता में श्रेष्ठता बनाए रखने और हमारी सदियों पुरानी परंपरा को जीवंत रखने के लिये प्रोत्साहन हेतु पहचान प्रदान करना है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-handicraft-award